दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 30 मई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 241

महत्वपूर्ण एवं खास

हाईटेंशन तार की चपेट में आए मजदूर, 8 की मौत- पोल लगाते समय हुआ हादसा

धनबाद (आरएनएस)। झारखंड के धनबाद में हाईटेंशन तार की चपेट में आकर 8 मजदूरों की मौत हो गई, वहीं कई गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक सभी मृतक मजदूर हैं जो धनबाद और गोमो स्टेशन के बीच निश्चितपुर रेल फाटक के पास पोल लगाने का काम कर रहे थे। पोल लगाने के दौरान ये सभी 25 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। घायलों में कई लोगों की स्थिति नाजकु बनी हुई है और मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। हादसे के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक धनबाद रेल मंडल के हावड़ा-नई दिल्ली रूट में धनबाद-गोमो स्टेशन के बीच निश्चितपुर रेल फाटक के पास पोल लगाने का काम किया जा रहा था। यह कतरास रेलवे स्टेशन से महज 1 किमी की दूरी पर है। यहां पोल लगाने के दौरान रेलकर्मी 25000 वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए और जान गंवा बैठे। हादसे के बाद रेल परिचालन पर भी असर हुआ है।

बाइक रैली में ताबड़तोड़ फायरिंग, 3 लोगों की मौत- इलाके में लगा कर्फ्यू

वॉशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के मैक्सिको शहर में हुई बाइक रैली में तीन लोगों की मौत हो गई है। जबकि, पांच लोग घायल हैं। मेयर ने बताया कि बाइक रैली के दौरान गोलीबारी हो गई थी, जिस वजह से तीन लोगों की मौत और पांच लोग घायल हुए हैं। घटना मैक्सिको के रेड रिवर इलाके की है। न्यू मैक्सिको पुलिस का कहना है कि एक घायल को हवाई जहाज से इलाज के लिए डेनवर भेजा गया है। वार्षिक बाइक रैली के मेन स्ट्रीट पर हजारों लोग शामिल हुए थे। यहां बदमाशों ने गोलीबारी की थी। घायलों को इलाज के लिए ताओस के होली क्रॉस अस्पताल और यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको, अल्बुकर्क में भर्ती किया गया है। मेयर लिंडा काल्होन ने बताया कि गोलीबारी में शामिल सभी बदमाशों को हिरासत में लिया गया है। सभी आरोपी बाइक रैली में ही शामिल थे और बाइक रैली के सदस्य थे। घटनास्थल सहित पूरा इलाका पुलिस की निगरानी में है। घटनास्थल के पास किसी के भी जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने तक लोगों से मेन स्ट्रीट सहित घटनास्थल वाले इलाके पर प्रतिबंध लगाया है। गोलीबारी के बाद इलाके में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

बच्चा चोर होने के शक में बुर्का पहने शख्स को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कानपुर (आरएनएस)। बुर्का पहनकर बाहर निकले एक व्यक्ति को बच्चा चोर होने के शक में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में पता चला है कि वह व्यक्ति वास्तव में अपनी प्रेमिका से मिलने निकला था। पूछताछ के दौरान व्यक्ति ने अपनी पहचान औरैया जिले के जगन्नाथपुर गांव निवासी शमशुद्दीन के पुत्र अंसार के रूप में बताई। यह पूछे जाने पर कि उसने बुर्का क्यों पहना है, उसने कहा कि वह अपनी प्रेमिका से मिलने घाटमपुर आया था और उसने बुर्का इसलिए पहना ताकि लडक़ी के घरवाले उसे पहचान न सकें। प्रेमिका से मिलने के बाद जब अंसार घर लौट रहा था, तो रास्ते में कुछ लोगों ने उसे रोक लिया और बुर्का हटा दिया। वे उसे बच्चा चोर समझकर ले गए और पुलिस को सूचना दी, जिसने उसे हिरासत में ले लिया।

अमित शाह के दौरे से पहले मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, पुलिसकर्मी सहित 5 की मौत

इंफाल (आरएनएस)। मणिपुर में फिर हिंसा की आग भडक़ गई है। ताजा हिंसा की घटनाओं में एक पुलिसकर्मी समेत 5 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 12 लोग घायल हुए हैं। राज्य के विभिन्न इलाकों में हिंसा भडक़ने के बाद हुई फायरिंग की घटनाओं में लोगों की मौत हुई है।

यही नहीं सेना और पुलिस की कार्रवाई में बीते 4 दिनों में 40 उग्रवादी भी ढेर किए गए हैं। सीएम बीरेन सिंह ने रविवार को ही बताया था कि मणिपुर में 40 सशस्त्र कूकी उग्रवादियों को मार गिराया गया है। मणिपुर में 3 मई के बाद से ही हिंसा का दौर जारी है। राज्य की राजधानी इम्फाल के आसपास बसे मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले कूकी समुदायों के बीच यह हिंसा चल रही है। इसकी वजह मणिपुर हाई कोर्ट का एक फैसला बना है, जिसमें उसने सरकार को सलाह दी थी कि उसे मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजना चाहिए।

इस प्रस्ताव को लेकर कूकी समुदाय भडक़ गए थे और उन्होंने इसके खिलाफ रैली निकाली थी। उस रैली के दौरान हिंसा भडक़ गई थी और तब से हालात को संभाला नहीं जा सका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मणिपुर की हिंसा में अब तक 79 लोग मारे जा चुके हैं। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि कूकी उग्रवादी हथियारों से लैस हैं और वे हिंसा को बढ़ा रहे हैं। हालात इतने खराब हैं कि राज्य के विधायकों और मंत्रियों तक को उपद्रवी नहीं बख्श रहे हैं और उनके घरों में हमले किए जा रहे हैं।

राज्य में 3 मई के बाद से ही कई इलाकों में कर्फ्यू लगा है। बीते दिनों कुछ राहत दी भी गई थी, लेकिन फिर से हिंसा का दौर शुरू होने के बाद एक बार फिर सख्ती बढ़ाई गई। जैसे इम्फाल वेस्ट और इम्फाल ईस्ट जिलों में कर्फ्यू में ढील देते हुए सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक लोगों को अनुमति दी गई थी। लेकिन अब इस टाइम को घटा दिया गया है और लोगों को सुबह 11:30 बजे तक ही घर से बाहर निकलने की परमिशन है। इसके अलावा बिष्णुपुर में भी कर्फ्यू में ढील सुबह 5 बजे से 2 बजे की बजाय 12 बजे तक ही रहेगी।

बता दें कि मणिपुर में जारी हिंसा का समाधान निकालने के लिए होम मिनिस्टर अमित शाह आज राज्य के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के अलावा अन्य मंत्रियों एवं अहम संगठनों के लोगों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वह हिंसा से निपटने और सुलह का रास्ता क्या हो सकता है। इस पर विचार करेंगे। उनका दौरा मणिपुर हिंसा से निपटने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

अंतरिक्ष में एक और बड़ी कामयाबी, इसरो ने लॉन्च किया नैविगेशन सैटेलाइट एनवीएस-01

श्रीहरिकोटा (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नाम एक और उपलब्धि दर्ज हो गई है। संगठन ने आज यानी सोमवार 29 मई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से नैविगेशन सैटेलाइट एनवीएस 01 लॉन्च किया। स्वदेशी जीएसएलवी रॉकेट की मदद से इसका प्रक्षेपण किया गया। बता दें कि एनवीएस-01 भारत के नाविक सैटेलाइट सीरीज का पहला सैटेलाइट है।

इसरो ने जीएसएलवी एफ12 रॉकेट के जरिए इस सैटेलाइट को लॉन्च पैड नंबर 2 से लॉन्च किया। लॉन्च के बाद इसरो चीफ डॉ. एस सोमनाथ ने कहा, 'हम सात पुराने एनवीएएलसी सैटेलाइट के सहारे काम चला रहे थे लेकिन उनमें से भी सिर्फ 4 ही काम कर रहे हैं। तीन खराब हो चुके हैं। अगर हम इन तीनों को बदलते तो बाकी के चार भी खराब हो जाते इसलिए हमने 5 नेक्स्ट जेनेरेशन एनएवीएलसी सैटेलाइट एनवीएस छोडऩे का फैसला किया।'

इसरो ने कहा कि प्रक्षेपण के करीब 20 मिनट बाद, रॉकेट लगभग 251 किमी की ऊंचाई पर भू-स्थिर स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में उपग्रह को स्थापित करेगा। एनवीएस-01 अपने साथ एल1, एल5 और एस बैंड उपकरण ले जाएगा। पूर्ववर्ती की तुलना में, दूसरी पीढ़ी के उपग्रह में स्वदेशी रूप से विकसित रुबिडियम परमाणु घड़ी भी होगी।

वायुसेना के अपाचे हेलीकॉप्टर की भिंड में इमरजेंसी लैंडिंग, जखमौली सिंध नदी के बीहड़ में उतारा गया

भिंड (आरएनएस)। भिंड में एयरफोर्स के अपाचे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जखमौली गांव के नजदीक सिंध नदी के बीहड़ में एयरफोर्स के अपाचे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कर उतारा गया। इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना मिलते ही ऊमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। भारतीय वायु सेना ने खुद इसकी जानकारी दी। मौके पर नयागांव, ऊमरी थाना पुलिस मौजूद है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, टेक ऑफ करते समय लड़ाकू अपाचे हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके बाद दोनों पायलटों ने हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करने का निर्णय लिया। पायलटों ने इसे भिड़ के बीहड़ में एक खेत में उतारा। गांव वालों ने जब खेत में हेलीकॉप्टर को उतरते देखा तो मौके पर भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलते ही नयागांव, ऊमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने सबसे पहले गांव वालों को हेलीकॉप्टर के पास से हटाया और मौके पर जवानों को तैनात कर दिया। जवानों ने हेलीकॉप्टर के पास सुरक्षा घेरा बना लिया है।

गुवाहाटी में भीषण हादसा, बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई स्कॉर्पियो, 7 इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स की मौत

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम के गुवाहाटी के जलुकबाड़ी इलाके में बीती देर रात हुए बड़ा सडक़ हादसा हो गया। इसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है हादसे में जान गंवाने वाले लोग एक स्कॉर्पियो कार में सवार थे, उनकी गाड़ी बेकाबू होकर डिवाइडर पर टकरा गई थी। गुवाहाटी के संयुक्त पुलिस आयुक्त थुबे प्रतीक विजय कुमार ने मीडिया को बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक पुलिस ने पाया है कि मरने वाले छात्र हैं। यह घटना जलुकबाड़ी इलाके में हुई थी।

पुलिस ने बताया कि ये भीषण सडक़ हादसा जलुकबाड़ी फ्लाईओवर पर रविवार रात को हुआ. इस सडक़ हादसे में असम इंजीनियरिंग कॉलेज (एईसी) के कम से कम सात छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई. सूत्रों ने बताया कि छात्र एक स्कॉर्पियो कार में यात्रा कर रहे थे. सडक़ दुर्घटना स्कॉर्पियो कार के चालक के गाड़ी पर कंट्रोल खो देने के बाद हुई. जिसके बाद स्कॉर्पियो जलुकबारी फ्लाईओवर रोड पर खड़ी एक बोलेरो डीआई पिकअप वैन से टकराने के बाद एक डिवाइडर से टकरा गई.

जलुकबाड़ी फ्लाईओवर रोड एक्सीडेंट में मारे गए छात्र-छात्राएं को पहचान गुवाहाटी से अरिंदम भवाल और नियोर डेका, शिवसागर से कौशिक मोहन, नागांव से उपांग्शु सरमाह, माजुली से राज किरण भुइयां, डिब्रूगढ़ से इमोन बरुआ और मंगलदोई से कौशिक बरुआ के रूप में की गई है. शुरुआत में मिली जानकारी के मुताबिक सडक़ दुर्घटना के समय स्कॉर्पियो कार में दस लोग सवार थे. दस में से सात छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य को गंभीर हालत में तुरंत गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया गया. घटना के बाद वहां पहुंची पुलिस छात्रों की जान नहीं बचा सकी, क्योंकि उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी.

लापता हुए भारतीय मूल के सिंगापुर के एवरेस्ट पर्वतारोही का नहीं चला पता

सिंगापुर। 19 मई को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचे सिंगापुर के एक भारतीय मूल के पर्वतारोही का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पर्वतारोही की पत्नी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में यह जानकारी दी। 39 वर्षीय श्रीनिवास सैनिस दत्तात्रेय 1 अप्रैल को माउंट एवरेस्ट के लिए रवाना हुए थे और 4 जून को स्वदेश लौटने वाले थे। उन्होंने 19 मई को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ाई की, लेकिन अपनी पत्नी को बताया कि उसकी पहाड़ से नीचे उतरने की संभावना नहीं है।

विभिन्न पर्वत चोटियों पर श्रीनिवास की तस्वीरों के साथ अपना संदेश देते हुए, उनकी पत्नी सुषमा सोमा ने कहा, वह 39 वर्ष के थे, और वे निडर होकर और पूरी तरह से जीते थे। उन्होंने समुद्र की गहराई का पता लगाया और पृथ्वी की सबसे अधिक ऊंचाई नापी।

और अब, श्री पहाड़ों में हैं, जहां उन्हें ज्यादा घर जैसा महसूस हुआ।

श्रीनिवास के अभियान का सह-आयोजन करने वाली कंपनियों में से एक नेपाल गाइड ट्रेक्स एंड एक्सपेडिशन ने पहले बताया तीन-तीन शेरपाओं का समूह श्रीनिवास की तलाश कर रहा है।

पर्वतारोही एक ही अभियान में माउंट एवरेस्ट और फिर माउंट ल्होत्से को फतह करने के उद्देश्य से सिंगापुर से निकला था।

सोमा के अनुसार, वह ऐसा करने वाले दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ गिने-चुने लोगों में से एक और सिंगापुर के पहले भारतीय होते। उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने किया, उसके जैसे सपने देखने की हिम्मत बहुत कम लोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पति विवेकवान, सावधानी और

तेज थे। मनसलू के 8,163 मीटर की ऊंचाई नापने के साथ ही वह हर साल एक ऊंचे पहाड़ पर चढ़ते थे।

नेपाली हिमालय में स्थित मनासलू दुनिया का आठवां सबसे ऊंचा पर्वत है।

उन्होंने कहा, मैंने एक कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी कार्य प्रतिबद्धताओं का प्रबंधन करते हुए इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए प्रशिक्षण में उनका ध्यान, कठोरता और अनुशासन देखा।

पिछले हफ्ते एक बयान में, सिंगापुर के विदेश मंत्रालय (एमएफए) ने परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

सिंगापुर मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, नई दिल्ली में सिंगापुर उच्चायोग परिवार के निकट संपर्क में है और इस कठिन समय के दौरान परिवार को सहायता और समर्थन देना जारी रखेगा।

अपने संदेश में, सोमा ने परिवार और दोस्तों के साथ-साथ सिंगापुर के एमएफए और सिंगापुर के भारतीय उच्चायोग के साथ-साथ नेपाली और चीनी सरकारों को उनके समर्थन व सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

लखनऊ में 43 प्रतिशत उम्मीदवारों ने छोड़ी यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा

लखनऊ (आरएनएस)। लखनऊ में रविवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में करीब 43 प्रतिशत उम्मीदवारों ने परीक्षा छोड़ दी। 40,018 उम्मीदवारों में से केवल 57.10 प्रतिशत ही उपस्थित हुए।

सुबह की पाली में, 23,123 (57.78 प्रतिशत) अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जबकि 16,895 ने परीक्षा छोड़ दी। दूसरी पाली में, 22,851 उम्मीदवार (57.10 प्रतिशत) उपस्थित हुए और 17,167 ने परीक्षा छोड़ दी।

2020 में लगभग 50 प्रतिशत उम्मीदवारों ने परीक्षा छोड़ दी थी। इस बीच, उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों ने पिछले वर्ष की तुलना में सामान्य अध्ययन (जीएस) का पेपर बहुत कठिन पाया। बाराबंकी से परीक्षा देने आए एक अभ्यर्थी राजेश्वर सिंह ने कहा, इस साल जनरल स्टडीज का प्रश्न पत्र काफी कठिन था। मैंने पिछले साल भी यही परीक्षा दी थी, लेकिन इस साल पेपर काफी कठिन था।

उन्होंने कहा कि दूसरा पेपर 'सिविल सर्विसेज एप्टीट्यूड टेस्ट (सीएसएटी)' आसान था। परीक्षा राज्य की राजधानी के 86 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की गई थी।

तिहाड़ जेल में फिर खूनी खेल : चाकू से कैदी पर किए ताबड़तोड़ हमले, आईं गंभीर चोटें

नई दिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली के तिहाड़ जेल में आज एक बार फिर से दो कैदियों के बीच मारपीट हो गई। एक कैदी ने दूसरे पर ताबड़तोड़ चाकू और खपरैल से हमला कर दिया। दोनों समूहों के सदस्यों को गंभीर चोटें आई जिन्हें अस्पताल दाखिल करवाया गया है।

तिहाड़ जेल से जुड़े अधिकारी ने बताया कि सेंट्रल जेल नंबर 1 में दो गुटों के दो कैदियों के बीच मारपीट हो गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार यानी 29 मई को दोपहर करीब 12.38 बजे सेंट्रल जेल नंबर-1, तिहाड़ (वार्ड नंबर-2) में कुछ कैदियों ने राहुल उर्फ पवन पर ताबड़तोड़ चाकू और हाथ से बनी सूआ और खपरैल से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। हमलावरों में शामिल कैदी आलोक ने घटना के बाद खुद को चोटिल कर लिया।

जेल स्टाफ टीएसपी और क्विक रिस्पांस टीम ने हस्तक्षेप किया और घटना में शामिल कैदियों को तुरंत अलग कर दिया गया। जेल डिस्पेंसरी में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायल कैदियों को इलाज के लिए डीडीयू अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएस हरि नगर को प्राथमिकी दर्ज करने और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया है।

बता दें कि इससे पहले 2 मई 2023 को तिहाड़ की हाई सिक्योरिटी सेल में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को बदमाश जितेंद्र गोगी गिरोह के गुर्गों ने सुएं से ताबड़तोड़ वार करके मौत के घाट उतारा था।

इस वारदात की दो वीडियो भी सामने आई थी। हत्यारों ने पुलिसवालों के सामने भी टिल्लू पर सूए से वार किया था। इस मामले में पुलिस ने छह आरोपी योगेश टुंडा, दीपक डबास, राजेश बवाना, रियाज खान, चवन्नी और अता उर रहमान को गिरफ्तार किया था।

मध्यप्रदेश को बड़े ट्रेनिंग सेंटर के तौर पर उपयोग कर रहे थे आतंकी

भोपाल (आरएनएस)। आतंकवादी संगठन आईएसआईएस से जुड़े गुपचुप तरीके से मध्यप्रदेश में अपना नेटवर्क तैयार कर रहे थे। आतंकियों ने भोपाल सहित समूचे मध्यप्रदेश को बड़ा पनाहगाह बना रखा है। एनआईए के हत्थे चढ़े आतंकी मध्यप्रदेश को बड़े ट्रेनिंग सेंटर के तौर पर उपयोग कर रहे थे। यह पुलिस और आम नागरिकों के लिए परेशानी का सबब भी है। ऐसा इसलिए कि मध्यप्रदेश में पहले प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया सिमी का जोर था। उसके बाद पॉपुलर फ्रट ऑफ इंडिया पीएफआई जमात-ए-मुजाहिदीन जेएमबी औरा हिज्ब-उल-तहरीर (एचयूटी) के बाद आईएसआईएस के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों की पूछताछ में सभी आतंकी संगठनों ने कबूला कि वे एमपी के अलग-अलग इलाके में ट्रेनिंग कैम्प चला रहे थे। खास बात यह है कि अब तक जितने आतंकी संगठन पकड़े गए हैं, तकरीबन सभी ने सिमी की बनाई जमीन का उपयोग किया है। यह मामला आईएसआईएस के आतंकियों केक पकड़े जाने के बाद ताजा हो गया है। क्योंकि भोपाल सहित मध्यप्रदेश को आतंक के गढ़ के रूप में तब्दील करने की कोशिशें कई संगठन कर रहे हैं। शांति का

टापू कहे जाने वाले मध्यप्रदेश के आईएसआईएस ने भी अपना बड़ा ठिकाना बनाया था। ऐसा इसलिए कि उन्हें उम्मीद है कि सिमी और पीएफआई के नेटवर्क का उन्हें फायदा मिल जाएगा। पकड़े गए आतंकियों ने पूछताछ में स्वीकार भी किया कि इसमें से कई लोग सिमी और पीएफआई की विचारधारा से प्रभावित हो रहे हैं और उसी के चलते आईएसआईएस से जुड़े हैं। जांच एजेंसी को शक है कि गिरफ्तार किए गए आतंकी सिमी और पीएफआई के लिए काम कर चुके हैं। यह सुरक्षा एजेंसियों के लिए परेशानी का सबब है। सिमी ने अपना नेटवर्क मालवा इलाके में बनाया था। फिर महाकौशल और भोपाल के आसपास क इलाके में उसका विस्तार किया था। बाद में सतना और रीवा तक अपना नेटवर्क खड़ा कर लिया था। इसका ज्यादा उपयोग पीएफआई ने राजनीति दल के तौर पर किया था। उस पर प्रतिबंध के बाद जीएमबी, एचयूटी और आईएसआईएस ने भी पुरानी जमीन पर अपना नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश की है। मध्यप्रदेश के लिए बेहद डरावना भी है। ऐसा इसलिए कि मध्यप्रदेश एक मात्र राज्य है, जिसे शांति का टापू कहा जाता था। सरकार भी मध्यप्रदेश को शांति का टापू बताते हुए नहीं थकती थी। डकैतओं और नक्सलियों का सफाया करने का दावा भी किया जाता है, लेकिन उनसे ज्यादा खतरनाक माने जाने वाले आतंकी संगठन अब प्रदेश में पैर पसारने लगा है। अफसरों का कहना है कि यह हमारी सक्रियता का आसर है, जिसकी वजह से आतंकी संगठन पकड़े जा रहे हैं और ये किसी भी बड़ी गतिविधियों को अंजाम नहीं दे पा रहे हैं।